# आखिर क्या है पंजीकरण में दिक्कत

## कई तरह से रखा जा सकता है चारधाम यात्रियों का रिकार्ड

अमर उजाला ब्यूरो

**देहरादून।** देश में हर व्यक्ति की गणना होती है। अमरनाथ यात्रा पर जाने वालों की पंजीकरण कराया जाता है। लेकिन प्रदेश सरकार चारधाम और हेमकुंड साहिब आने वाले तीर्थयात्रियों के पंजीकरण को पता नहीं क्यों असंभव बताकर हर बार हाथ झाड़ देती है।

सरकार हर साल यह बताती है कि प्रदेश में कुल कितने पर्यटक आए। इसमें तीर्थयात्रियों की संख्या भी शामिल होती है। लेकिन यह कोई नहीं जानता कि यह अनुमान

### यात्रियों का रिकार्ड होता तो कई काम आसान होते

कैसे लगाया जाता है। अब आपदा के बाद उसी अंदाज में कहा जा रहा है कि अमुक स्थान पर इतने यात्री फंसे हैं। आलम यह है कि सुरक्षित निकाले जाने वाले यात्रियों की संख्या तो 22 हजार बताई जा रही है। लेकिन सूची में केवल पांच सौ नाम हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक चारधाम आने वाले यात्रियों को भी पंजीकरण के लिए कहा जा सकता है। यह व्यवस्था ऑनलाइन भी की जा सकती है, क्योंकि हर धाम की अपनी वेबसाइट है। पैकेज टूर के यात्रियों का डिटेल कंपनियों से मांगा जा सकता है। आरटीओ को इसके लिए नोडल विभाग बनाया जा सकता है। अर्थ एवं संख्या विभाग के एक अधिकारी के मुताबिक दो तीन सालों में ही रिकार्ड बेस तैयार हो जाएगा और आधार पर आगे की योजना भी बनाई जा सकती है। मसलन यात्री किस रूट पर पहले जाना पसंद करते हैं। एक ही समय में चार धामों के बीच यात्रियों का आवागमन किस तरह से होता है। यह सारी जानकारी चार धाम यात्रा को व्यस्थित करने में उपयोग में लाई जा सकती है।

अगर यात्रियों का पंजीकरण होता तो सरकार यह बताने में सक्षम होती कि केदारनाथ से कितने यात्रियों को सुरक्षित निकाला जाना है। कहां पर कितने यात्री फंसे हैं। अभी जो कुछ भी है वह एक अनुमान मात्र है और अनुमान के सहारे ही यात्रियों को राहत पहुंचाने की कोशिश हो रही है। दुआ करें कि सरकार का यह अनुमान सटीक हो।